संकेतों का ऑडियो प्रारूप में किया जा सकेगा अनुवाद

आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिकों के साथ पुनर्वास विवि के कुलपति प्रो. संजय सिंह। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में संकेतों को लिखित पाठ और ऑडियो फॉर्म में अनुवादित किया जा सकेगा। इस प्रक्रिया से कम सुनने और न बोल पाने वाले विद्यार्थियों के जीवन को आसान किया जा सकेगा। इससे दिव्यांग निर्देशों को आसानी से समझ पाएंगे। यह कार्य आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिकों की मदद से पूरा किया जाएगा।

आईआईटी बीएचयू और पुनर्वास विवि के बीच सोमवार को शोध एवं विकास के क्षेत्र में सहयोग और शैक्षणिक विनिमय सत्र (एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम) का आयोजन किया गया।

अकादमिक व शोध सहयोग, सॉफ्टवेयर विकास, कौशल संवर्द्धन कार्यक्रम, डाटा विश्लेषण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन के उद्देश्य के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में शीर्ष 12 वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय सिंह ने की।

विवि के प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि संवाद सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सहयोग से दिव्यांगों के लिए इलेक्ट्रॉनिक हाथ व पैर और कम लागत वाले हाइड्रोलिक घुटने और टखने के जोड़ को लेकर सहयोग पर चर्चा हुई। इसके अलावा दिव्यांगों के लिए गतिशील कृत्रिम पैर, मोटरचालित व्हीलचेयर विकसित करने, विकसित उपकरणों में प्रयुक्त इंजीनियरिंग और नैदानिक परीक्षणों के लिए आपसी सहयोग पर विचार किया गया।

यह दोतरफा प्रक्रिया होगी जिसमें आईआईटी बीएचयू इंजीनियरिंग परीक्षणों के लिए अपना समर्थन देगा और पुनर्वास विश्वविद्यालय नैदानिक सुविधा प्रदान करेगा।

दिव्यांगों की सुविधा के लिए विकसित किए जाएंगे सॉफ्टवेयर

आईआईटी बीएचयू के 12 शीर्ष वैज्ञानिक पहुंचे पुनर्वास विवि

■ समस्याएं दूर करेंगे सॉफ्टवेयर

ऐसे सॉफ्टवेयर विकसित किए जाएंगे जो कम सुनने वाले छात्रों के लिए चल रहे कक्षा व्याख्यान को तत्काल पाठ के रूप में अनुवादित कर सकें। यह सॉफ्टवेयर दृष्टिबाधित छात्रों की गतिशीलता में सुधार के लिए विवि का थ्रीडी मानचित्र बनाने और मोबाइल एप के रूप में वॉयस कमांड के साथ कार्य करेगा। यह कम सुनने वाले व्यक्तियों के बीच संवाद और भाषा कौशल के विकास के लिए संवाद चिकित्सा तकनीकों को बेहतर करेगा। सबसे खास बात यह है कि ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित किया जाएगा जो संकेत को पाठ और ऑडियो रूप में अनुवादित कर सके।

■ आधुनिक होंगे लैब के उपकरण

प्रो. वीरोदय के मुताबिक, संवाद सत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि आईआईटी बीएचयू मौजूदा प्रयोगशाला उपकरणों को इस तरह से संशोधित करे जिससे शारीरिक रूप से दिव्यांग छात्रों के लिए उनका उपयोग आसान हो। जैसे वॉयस कमांड और लोकोमोटिव एक्सटेंशन। इस पर भी चर्चा हुई कि आईआईटी-बीएचयू के ऑनलाइन डिजिटल संसाधनों के साथ ही बीएचयू के संसाधनों को पुनर्वास विवि के शोधार्थी और शिक्षकों तक पहुंच बनाने के लिए शिक्षण प्लेटफॉर्म एक्सेस की सुविधा मिले।

छात्रों के लिए संकेतों को लिखित पाठ-ऑडियो में बदलेंगे

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अब कम सुनने और न बोल पाने वाले छात्र-छात्राओं को पढ़ाई करने में आसानी होगी। इसके लिए आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिक संकेतों को लिखित पाठ और ऑडियो में अनुवादित करने वाला सॉफ्टवेयर तैयार करेंगे। इसके अलावा दृष्टिबाधित छात्रों की गतिशीलता में सुधार के लिए विवि का थ्रीडी मानचित्र बनाएंगे। यह मोबाइल ऐप के रूप में वॉयस कमांड के साथ कार्य करेगा। इसके मद्देनजर पुनर्वास विवि और आईआईटी बीएचयू के बीच सोमवार को शोध एवं विकास के क्षेत्र में एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम सत्र का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में आईआईटी बीएचयू के शीर्ष 12 वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय सिंह ने की।

पुनर्वास विवि में हुआ संवाद

अमृत विचार, लखनऊ : आईआईटी-बीएचयू के शीर्ष 12 वैज्ञानिकों ने सोमवार को डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय का परिभ्रमण किया। उन्होंने कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र, लैब एवं स्टोर आदि का भ्रमण करने के साथ ही दिव्यांगजनों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। संस्थान के प्रवक्ता यशवंत वीरोदय ने बताया कि उच्च शिक्षा, पुनर्वास एवं दिव्यांग सशक्तीकरण के क्षेत्र में पुनर्वास विवि को वैश्विक स्तर पर सेंटर फार एक्सीलेंस बनाने के लिए आईआईटी-बीएचयू और पुनर्वास विवि के बीच शोध एवं विकास के क्षेत्र में आगामी सहयोग एवं शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम के तहत संवाद-सत्र का आयोजन किया गया।

2007 में निधन हो गया था। पिता

उसमें एक कोड स्कैन कर कुछ प्रश्नों में इसे प्रसारित किया गया।

लुक में लगें, इसके लिए भगवा वस्त्र

शनिवार को जहांगीराबाद पैलेस में भी

20 एकड़ में बनेगा इंजीनियरिंग संकाय, मिलेंगी सुविधाएं

डा. शकुंतला विश्वविद्यालय में 2025 के अंत तक इंजीनियरिंग संकाय का निर्माण पूरा करने की बनाई योजना

जागरण संवाददाता • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में करीब 20 एकड़ की जमीन पर चार मंजिला भव्य इंजीनियरिंग संकाय बनेगा। इसके लिए मोहान रोड पर पश्चिम की ओर विश्वविद्यालय की भूमि पर चहारदीवारी का निर्माण हो चुका है। इस भवन में बीटेक व एमटेक के विद्यार्थियों को स्मार्ट कक्षाएं, सुविधाओं से लैस प्रयोगशालाएं आदि की सुविधा मिलेगी। सत्र 2025 के अंत तक इस निर्माण को पूरा करने की योजना है।

अभी विश्वविद्यालय के एक भवन में स्थाई रूप से इंजीनियरिंग संकाय संचालित है। अब इसे स्थाई भवन मिलेगा। संकाय निर्माण के लिए संबंधित सरकारी एजेंसी से नक्शा आदि पास हो चुका है।योजना के अनुसार इस इंजीनियरिंग संकाय में छह विभागों के अलग-अलग ब्लाक बनेंगे। विभागीय लाइब्रेरी के साथ-साथ कंप्यूटर सेंटर स्थापित किया जाएगा। मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल वर्कशाप होगी। इसके अलावा तीन कांफ्रेंस रूम भी बनेंगे।

30 स्मार्ट क्लास की मिलेगी सुविधा : चार मंजिला नए इंजीनियरिंग संकाय में बीटेक व एमटेक के छात्र-छात्राओं के लिए करीब 30 स्मार्ट क्लास रूम तैयार किए जाएंगे। करीब 50 अत्याधुनिक सुविधाओं वाली प्रयोगशालाएं भी बनेंगी।

डा. शकुंतला विश्वविद्यालय मोहान रोड के पश्चिम में इसी जमीन पर नया इंजीनियरिंग संकाय बनेगा • सौजन्य से विश्वविद्यालय

बनेगा एकेडमिक ब्लाक

विश्वविद्यालय में एक और एकेडमिक ब्लाक बनाया जाएगा। नया एकेडमिक ब्लाक भी चार मंजिला होगा। जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों को आने-जाने में कोई असुविधा न हो।

> मोहान रोड पर पश्चिम की ओर विश्वविद्यालय की अपनी जमीन है, जहां इंजीनियरिंग भवन बनेगा। उसमें स्मार्ट क्लास से लेकर सभी प्रयोगशालाएं सहित तमाम सुविधाएं विद्यार्थियों को मिलेंगी।
>
> – प्रो. यशवंत वीरोदय, प्रवक्ता, डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय

परीक्षा कार्यक्रम जारी : लवि ने कई विषयों की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया। एमए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा 13 से 25 जनवरी और तीसरे सेमेस्टर की 17 से 27 जनवरी तक होंगी। इसी तरह बी.ए (एनईपी) पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन सातवें सेमेस्टर की परीक्षाएं छह से 17 जनवरी तक होंगी।

राजनीति विज्ञान की 50 सीटों पर 326 अभ्यर्थी देंगे साक्षात्कार

जासं • लखनऊ : लवि ने सोमवार को पीएचडी प्रवेश के लिए नौ और विषयों में साक्षात्कार के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की https://www.lkouniv.ac.in/ सूची देख सकते हैं। एआइएच में 25 सीटों पर 87, अप्लाइड इकोनामिक्स में 10 सीटों के सापेक्ष 52, जाग्रफी में नौ सीटों पर 85, लाइब्रेरी एंड इन्फार्मेशन साइंस की चार सीटों पर 25, राजनीति विज्ञान की 50 सीटों पर प्रवेश के लिए 326 अभ्यर्थी साक्षात्कार देंगे। वहीं, संस्कृत की 31 सीटों पर 67, समाजशास्त्र की 42 सीटों पर 207, सांख्यिकी की नौ सीटों पर 26, जंतु विज्ञान की 52 सीटों पर 53 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए सफल हुए हैं।

तैयार किए जाएंगे कृत्रिम उपकरणों के नए डिजाइन

जासं • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय व आइआइटी बीएचयू शोध एवं विकास के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। एआइ के सहयोग से दिव्यांगों के लिए इलेक्ट्रानिक हाथ-पैर के साथ ही कम लागत वाले हाइड्रोलिक घुटने, टखने के जोड़, दिव्यांगों के लिए गतिशील कृत्रिम पैर, मोटर चालित व्हीलचेयर और अन्य सहायक उपकरण के नए डिजाइन विकसित तैयार किए जाएंगे।

सोमवार को आइआइटी बीएचयू की टीम विश्वविद्यालय का भ्रमण करने पहुंचीं। 12 सदस्यीय विज्ञानियों की टीम ने विश्वविद्यालय के कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र की लैब, स्टोर, ब्रेल प्रेस, टाकिंग बुक स्टूडियो, ब्रेल पुस्तकालय सहित विभिन्न स्थानों का दौरा कर दिव्यांगों को दी जाने वाली सुविधाएं देखीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. संजय सिंह ने की। इसमें आइआइटी की टीम से प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. संदीप कुमार, डा. प्रांजल चंद्रा, डा. श्याम कमल, डा. देबाशीष, डा. विनोद तिवारी, डा. क्षितिज कुमार, डा. सुमित कुमार, डा. दीपेश व डा. संजय शामिल रहे। प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि दोनों संस्थान अकादमिक सहयोग, शोध सहयोग आदि ज्ञान विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे।

नए सत्र से तीसरे और पांचवें सेमेस्टर में सीधे प्रवेश

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय नए शैक्षिक सत्र 2025-26 से कालेजों के छात्र-छात्राओं को स्नातक तीसरे, पांचवें और परास्नातक तीसरे सेमेस्टर में भी सीधे प्रवेश की सुविधा देगा। दाखिले का आधार सीटों के सापेक्ष आवेदनों की स्थिति पर तय होगा। इस व्यवस्था से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अथवा कालेज कहीं पर भी पढ़ने का मौका मिलेगा। इसको लेकर विश्वविद्यालय ने अध्यादेश में इसका प्रविधान कर दिया है। दरअसल, लवि ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत कुछ समय पहले लेट्रल एंट्री का भी प्रविधान कर दिया था। इसके तहत कहीं का भी विद्यार्थी कालेज से कालेज अथवा विश्वविद्यालय में प्रवेश ले सकेगा। सत्र 2024-25 में विश्वविद्यालय ने आवेदन लेकर स्नातक चौथे वर्ष (सातवें सेमेस्टर) में प्रवेश की सुविधा दी थी। अब नए सत्र से स्नातक तीसरे, पांचवें सेमेस्टर के साथ-साथ परास्नातक तीसरे सेमेस्टर में भी प्रवेश लिया जा सकेगा।

संवाद सत्र में अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, प्रो. अश्वनी दुबे, डा. विजय शंकर शर्मा व कुलसचिव रोहित सिंह उपस्थित रहे।

शकुन्तला विवि व आईआईटी व बीएचयू के बीच सहयोग की बनी सहमति

लखनऊ (एसएनबी)। उच्च शिक्षा पुनर्वास एवं दिव्यांग सशक्तीकरण के क्षेत्र मे डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि को वैश्विक स्तर पर सेंटर फार एक्सीलेस बनाये जाने के लिए सोमवार को कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में आईआईटी व बीएचयू और शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विवि के बीच शोध एवं विकास के क्षेत्र में आगामी सहयोग एवं शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए संवाद सत्र का आयोजन किया गया। एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए संवाद कार्यक्रम में अकादमिक सहयोग, शोध सहयोग, साफ्टवेयर विकास, कौशल संवर्धन कार्यक्रम डाटा विश्लेषण, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस,मशीन लर्निग एवं आनलाइन कक्षाओं के संचालन आदि ज्ञान विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में आईआईटी व बीएचयू और पुनर्वास विवि के बीच आगामी सहयोग की सहमति बनी। विवि के विभिन्न कार्यक्रमो में दिव्यांगजनो की सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सहायक उपकरण और सहायक प्रौद्योगिकी विकसित करने, दिव्यांगजनो को शिक्षा प्राप्त करने में सहायक अध्ययन उपकरणो का विकास करने, अनुसंधान सहयोग सहायक प्रौद्योगिकी और जैविक प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान और विकास परियोजनाएं , शारीरिक विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए कृत्रिम, आर्थोटिक, सहायक और पुनर्वास उपकरणो का विकास उनकी सामाजिक और शारीरिक पहुंच को बढ़ाने के लिए आगामी सहयोग के लिए सहमति बनी।इस मौके पर विवि के कुलसचिव रोहित सिंह, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित, प्रो. अवनीश चन्द्र मिश्रा, निदेशक क्रीडा एवं योग प्रकोष्ठ प्रो. पाण्डेय राजीवनयन, प्रो. आरके श्रीवास्तव, प्रो.यशवंत वीरोदय, डा. पुष्पेन्द्र मिश्रा, डा. पुष्पेन्द्र सिंह समेत तमाम लोग मौजूद थे।

आईआईटी व वीएचयू के वैज्ञानिकों के प्रतिनिधि मंडल ने शकुन्तला विवि का किया भ्रमण

लखनऊ (एसएनबी)। आईआईटी व वीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा के निर्देश पर शीर्ष 12 वैज्ञानिक प्रतिनिधि मंडल ने शकुन्तला पुनर्वास विवि परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने सर्व प्रथम कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र के लैब एवं स्टोर आदि का भ्रमण किया साथ ही दिव्यांगजनों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उनके द्वारा केन्द्र के माध्यम से दिव्यांगजन के हितार्थ किये जा रहे उत्कृष्ट कार्य की सराहना भी की गयी। इसके पश्चात उन्होंने विवि के ब्रेल प्रेस का अवलोकन किया। इसके साथ ही वह अन्तरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त विशिष्ठ आउट डोर एवं इन डोर स्टेडियम पहुंचे और खिलाड़ियों से मिले। इसके पश्चात इस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी का भ्रमण किया। स्वामी विवेकानंद केन्द्रीय पुस्तकालय पहुंचकर दिव्यांगजनो के लिए उपलब्ध सुविधाओ, टाकिंग बुक स्टूडियों, ब्रेल पुस्तकालय एवं लुईब्रेल कंप्यूटर लैब का भी अवलोकन किया और दृष्टि दिव्यांग विद्यार्थियोंके लिए प्रयोग की जाने वाली जास एवं कीबो साफ्टवेयर के प्रयोग पुस्तक के 146 भाषाओ में ध्वनिकृत की जाने वाली प्रणाली एवं ललित कला विभाग का अवलोकन किया। अवलोकन करने वाले वैज्ञानिको में प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. संदीप कुमार, डा. प्रांजल चन्द्रा, डा. श्याम कमल,डा. देवाशीष खान, डा. विनोद तिवारी, डा. क्षितिज कुमार यादव, डा. सुमित कुमार सिंह, डा. दीपेश कुमार, डा. संजय कुमार लेका, डा. श्रीहरि डोडला और डा. भृगु कुमार लहकर प्रमुख रूप से शामिल थे। इस अवसर पर विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंहने दिव्यागंजनो के लिए किये जा रहे कार्ययोजना वं उपलब्धियों से भी अवगत कराया।

आईआईटी-बीएचयू के शीर्ष 12 वैज्ञानिक प्रतिनिधि मंडल ने किया विवि भ्रमण

डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ का परिभ्रमण

लखनऊ, लोकसत्य। विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में आई.आई.टी.-बी.एच.यू और डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के बीच शोध एवं विकास के क्षेत्र में आगामी सहयोग एवं शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम (एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम) हेतु संवाद- सत्र का आयोजन हुआ।

अकादमिक सहयोग, शोध सहयोग, सॉफ्टवेयर विकास, कौशल संवर्द्धन कार्यक्रम, डेटा विश्लेषण, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग एवं ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन आदि ज्ञान विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रो में आई.आई.टी.-बी.एच.यू और पुनर्वास विश्वविद्यालय के बीच आगामी सहयोग हेतु शीर्ष 12 वैज्ञानिक समूहों के साथ संवाद सत्र का

आयोजन। उच्च शिक्षा, पुनर्वास एवं दिव्यांग सशक्तीकरण के क्षेत्र में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ को वैश्विक स्तर पर सेंटर फार एक्सीलेंस बनाये जाने हेतु आज दिनांक 23 दिसंबर 2024 को डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में आई.आई.टी.-बी.एच.यू और डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के बीच शोध एवं विकास के क्षेत्र में आगामी सहयोग एवं शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम (एकेडमिक एक्सचेंज प्रोग्राम) हेतु संवाद- सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आई.आई.टी.-बी.एच.यू. की ओर से शीर्ष 12 वैज्ञानिको (प्रो संजय कुमार सिंह , प्रो संदीप कुमार , डॉ प्रांजल चंद्रा , डॉ श्याम कमल , डॉ देवाशीष खान, डॉ विनोद तिवारी , डॉ क्षितिज कुमार यादव , डॉ सुमित कुमार सिंह , डॉ दीपेश कुमार , डॉ संजय कुमार लेका , डॉ श्रीहरि डोडला और डॉ भृगु कुमार लहकर) ने प्रतिभाग किया।

इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, फार्मेसी, प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स, ऑडियोलॉजी और स्पीच-लैंग्वेज पैथोलॉजी आदि संकायों के कौशल संवर्धन के लिए डिजाइन और उत्पादों के विकास पर विचार। दिव्यांगजनों की जरूरतों के अनुकूल लघु अवधि के तकनीकी कौशल संवर्धन कार्यक्रम या कार्यशालाएँ आयोजित करने पर विचार। दिव्यांगों के अनुकूल माहौल बनाने हेतु इंटर्नशिप के आयोजन पर विचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव रोहित सिंह, कुलानुशासक प्रो सी के दीक्षित, प्रो अवनीश चंद्र मिश्रा, निदेशक क्रीड़ा एवं योग प्रकोष्ट प्रो पाण्डेय राजीवनयन, प्रो आर.के. श्रीवास्तव आदि थे।

Lucknow 24-12-2024

http://epaper.loksatya.com/

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक लोकसत्य